শ্রামল ছারা, নাইবা গেলে।
শেষ বরষার ধারা তেলে।
সময় যদি ফুরিয়ে থাকে— হেসে-বিদায় করো তাকে,
এবার নাহয় কাট্ক বেলা অসময়ের খেলা খেলে।
মলিন, তোমার মিলাবে লাজ—
শরং এসে পরাবে লাজ।
নবীন রবি উঠবে হাসি, বাজাবে মেঘ সোনার বাঁশি—
কালোয় আলোয় যুগলরূপে শৃত্যে দেবে মিলন মেলে।

II मा <u>-</u>1 সা -मा I T म য়া ছা -मा नभा ম ভত্তা -91 मा R গে ना বা লে -দমা -91 ना না -1 I 31 -1 -1 -1 -1 I I ঝা -মা <sup>ম</sup>জ্ঞা -ঋজ্ঞা <sup>জ</sup>ঝা ই বা • জে • • গে **531 -1 조기 -1 I** 자전하 -1 -1 -1 -1 -1 **र**् द • न्न • বা -मा -खा **डि** -রা -1 (ग CU • রা

791 ना ना -1 II -1 -1 -1 I 케 11km मछा ख्य (म ८ग বা না • -1 ৰ্সা -1 -1 -1 I en -1 पा मि ग्र् य Ą -1 र्भा -1 -1 I 91 र्भा -1 -1 | 411 I र्मथा **(本** था য়ে রি ₹· -1 -1 | 241 -1 -1 I 41 -1 -1 ঝা MI বি শে হে -দা -खर्ग I क अर्था সা -1 -1 | -51 -1 41 41 কে তা রো **क** -1 '-ভর্গ I ভর্মা -1 | मा ना রো **क** য় PT বি यां -1 I मा –ঋৰ্ -1 | मा -1 ख्वं । সা ब्र् की ष्ट ना ৰ্ বা এ 91 -मा | मा -1 -1 I F1 -मो -मा । ना -1 ষ म অ লা বে -1 I भा -मा | मभा -1 I 41 ना বু. থে • ব্যে

>>0

-1 | भा -1 -न पा I मभा -1 - जा -1 -1 I • লে • • **না**• • 64 -1 | -행기 -1 -1 I 행기 -제 기 <sup>제</sup>행기 • • • • **না ই** বা না• I 71 -1 -1 -1 -1 II II { 0 1 -1 -1 -1 -1 I 30 -1 | 31 -1 -1 I • লি • নৃতো • মা • ব্ I 41 -1 नम् । -1 -1 -1 I 91 -1 -1 -1 I मि न • • বে • লা I मा -था | पंजा -1 -1 -1 I ना -1 नि -1 • • • • -1 I 41 -971 **488**1 -1 -1 -1 | সা  $-1 \quad -1 \} I$ -1 • রা • বে • শা 4 I मा -1 मा -1 -1 -1 I 41 -1 | 51 -1 -1 • বী বি न् न् --1 मा -1 I ना -1 | मा -1 | -41 I সা -1 -1 -1 I • \$ • সি • হা বে -#1 I #1 -1 | #1 -1 | 新 I গা -1 -1 -1 -1 **त्य** বে वा ৰা

229

-91 -001 I 001 -1 | 91 -1 -1 नि বা • ব্ मा শো -1 | -831 -1 I जी -91 -1 | -1 -1 1 4 षा 41 -1 I -1 I मा -खां खी -1 -1 -1 -1 -1 (मा ग्र् • • **季**1 বে -1 I of -51 र्भना -1 वर्जा -1 | 41 -211 ৰ্সা (4 泵 7 য় যু লো -1 -1 -91 -1 পদা -1 I -मा | मा 41 -1 বে CY न् ৰে -1 -1 91 -1 -1 I m म्भा -1 -91 (ग মি মে न्• -1 -खा -1 | -1 I পণা -1 -खा ना ना • -मा विका - थाउँचा व्यथा -1 I मा -1 -1 -1 -1 -1 II II I w • গে • জে • . • • **ই** বা मा

শ্বাসল শোভন প্রাবণ, তুমি নাই বা গেলে
সম্বল বিলোল আঁচল মেলে ॥
পূব হাওয়া কর, 'ওর যে সমর গেল চলে।'
শরৎ বলে, 'ভর কী সমর গেল ব'লে,
বিনা কাজে আকাল-মাঝে কাটবে বেলা অসময়ের খেলা খেলে'॥
কালো মেখের আর কি আছে দিন।
ও যে হল সাধিহীন।
পূব-হাওয়া কর, 'কালোর এবার যাওয়াই ভালো।'
শরৎ বলে, 'মিলবে বুগল কালোর আলো,
সাজবে বাদল সোনার সাজে আকাশ-মাঝে কালিমা ওর খুচিয়ে কেলে'॥

ধপা -1 I স্মা ধপা र्मा | ना II on **अर्गा** ব • ৭ জু শো **७** • न् न 可 वि **ज** বা भ গে **(** -1 I পर्मा -1 -31 পা পা न भी ধা ना • ना বে 5 মে -1 II ना | ना थथा -41 বা গে ৰে• ना र्भा | नना ना -1 ধা -मा I नथा পা | না II { পা -1 ₹. ৰ্ ८ म् হাও য়া 4 466